Literacy for a Billion

Movie: Purab Aur Paschim
Year: 1970

Song: Hai Preet Jahan Ki Reet Sada
Lyricist: Indeevar

जब ज़ीरो दिया मेरे भारत ने
भारत ने मेरे भारत ने
दुनिया को तब गिनती आई
तारों की भाषा भारत ने
दुनिया को पहले सिखलाई
देता ना दशंलव भारत तो
यूँ चाँद पे जाना मुश्किल था
धरती और चाँद की दूरी का
अंदाज़ा लगाना मुश्किल था
सभ्यता जहाँ पहले आई
सभ्यता जहाँ पहले आई
पहले जन्मी है जहाँ पे कला
अपना भारत वो भारत है
जिसके पीछे संसार चला
संसार चला और आगे बढ़ा
यूँ आगे बढ़ा बढ़ता ही गया
भगवान करे ये और बढ़े
बढ़ता ही रहे और फूले फले
बढ़ता ही रहे और फूले फले

चुप क्यों हो गए
और सुनाओ

हूँ ...
ओ हो हो ...

है प्रीत जहाँ की रीत सदा
है प्रीत जहाँ की रीत सदा
है प्रीत जहाँ की रीत सदा

मैं गीत वहाँ के गाता हूँ
भारत का रहनेवाला हूँ
भारत की बात सुनाता हूँ
है प्रीत जहाँ की रीत सदा

ओ हो ओ हो...

काले गोरे का भेद नहीं
हर दिल से हमारा नाता है
कुछ और ना आता हो हमको
हमें प्यार निभाना आता है
जिसे मान चुकी सारी दुनिया
हो जिसे मान चुकी सारी दुनिया
मैं बात, मैं बात वो ही दोहराता हूँ

भारत का रहनेवाला हूँ
भारत की बात सुनाता हूँ
है प्रीत जहाँ की रीत सदा

जीते हों किसी ने देश तो क्या
हमने तो दिलों को जीता है
जहाँ राम अभी तक है नर में
नारी में अभी तक सीता है
इतने पावन हैं लोग जहाँ
ओ इतने पावन हैं लोग जहाँ
मैं नित नित
मैं नित नित शीश झुकाता हूँ
भारत का रहनेवाला हूँ
भारत की बात सुनाता हूँ

ओ हो ओ हो...

इतनी ममता नदियों को भी
जहाँ माता कहके बुलाते हैं
ओ ...
कितना आदर इंसान तो क्या
पत्थर भी पूजे जाते हैं
उस धरती पे मैंने जनम लिया

हो उस धरती पे मैंने जनम लिया
ये सोच, ये सोच के मैं इतराता हूँ
भारत का रहनेवाला हूँ
भारत की बात सुनाता हूँ
है प्रीत जहाँ की रीत सदा

ओ हो हो हो...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.